Guru Jambheshwar University of Science & Technology, Hisar

Scheme for Theory Based Subjects

Guidelines for Scheme of examination of UG Course

Hindi (Compulsory) (under semester system)

The Scheme of Examination of undergraduate (UG) Courses under Faculty of Humanities & Social Sciences run by affiliated degree colleges will be under 80: 20 (external: internal) for theory based courses. Pass percentage will be ……..

For the UG courses under Faculty of Humanities & Social Sciences, the guidelines regarding scheme and paper setting will be followed as:

For the end semester examinations, five questions are to be set by the examiner. The candidates shall attempt all five questions. First question will be compulsory of 20 marks based on the entire syllabus. It will comprise of ten short answer type questions of two marks each. Students are required to attempt rest four questions in which internal choice will be available. All remaining four questions shall carry equal marks i.e. 15 each.
Scheme: 80:20 (external: internal)
1st question=20 marks (10 short answer type questions of two marks each)
Rest four questions: 15 marks each i.e. 4 x 15=60
Total = (20+60) + 20 = 100marks

Components of Internal Assessment (Breakdown of 20 marks)	
(a)	Class Test: 5 marks
(b)	Assignment: 5 marks
(c)	Participation in Class Discussions: 3 marks
(d)	Term Paper/written test/2nd assignment: 5 marks
(e)	Attendance: 2 marks*

*Weightage of 2 marks for **Attendance** component out of 20 marks for Internal Assessment shall be available only to those students who attend **75% and more** of classroom lectures. The break-up of marks for **attendance component** for theory papers shall be as under:

(a) 75% and above up to 85%: 1 mark

(b) Above 85%: 2 marks

Guru Jambheshwar University of Science & Technology, Hisar

Hindi (Compulsory and Elective)

B.A. IInd Year 3rd & 4th Semester

Scheme of Examination

(w.e.f. the academic session 2019-20)

3rdSemester

Paper No.	Paper Code	Nomenclature of Paper	Periods per Week	External Marks	Internal Marks	Practical	Total Marks	Time
B.A. Hindi Paper-A Theory	HINC 201	Hindi Compulsory	8+2	80	20	__	100	3Hrs
B.A. Hindi Paper-A Theory	HINE 201	Hindi Elective	6+2	80	20	__	100	3Hrs

4th Semester

Paper No.	Paper Code	Nomenclature of Paper	Periods per Week	External Marks	Internal Marks	Practical	Total Marks	Time
B.A. Hindi Paper-A Theory	HINC 202	Hindi Compulsory	8+2	80	20	__	100	3Hrs
B.A. Hindi Paper-A Theory	HINE 202	Hindi Elective	6+2	80	20	__	100	3Hrs

गुरूजम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी विश्वविद्यालय, हिसार

पाठ्यक्रम (हिन्दी अनिवार्य)

बी.ए. द्वितिय वर्ष तृतीय सेमेस्टर

पेपरः ए **HINC 201 : हिन्दी अनिवार्य**

(शैक्षणिक सत्र 2019–20 से लागू)

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा अंक : 80
आन्तरिक मूल्यांकन अंक : 20
समय : 3 घण्टे

- आधुनिक हिन्दी कविता
- हिन्दी साहित्य का रीतिकाल
- प्रयोजनमूलक हिन्दी : हिन्दी कम्प्यूटिंग और अनुवाद
- पाठ्यक्रम में निर्धारित कविः
- पाठ्क्रम में निर्धारित कवियों की सप्रसंग व्याख्या एवं उनके साहित्यिक परिचय पर परीक्षा में प्रश्न पूछे जाएंगे।

1 आलोचनात्मक प्रश्न पाठ्यक्रम में निर्धारित कवियों के अनुभूतिगत वैशेष्टिय तथा अभिव्यक्तिगत सौष्ठव पर ही परीक्षा में प्रश्न पूछें जाएंगें।

2 हिन्दी साहित्य का रीतिकाल

- रीतिकालीन हिन्दी कविता की पृष्ठभूमि/रीतिकाल की परिस्थितियाँ
- रीतिकाल का नामकरण
- रीतिबद्ध काव्य की विशेषताएँ
- रीति मुक्त काव्य की विशेषताएँ
- रीतिकालीन काव्य की उपलब्धियाँ

3 प्रयोजन मूलक हिन्दी : हिन्दी कम्प्यूटिंग और अनुवाद

- पाठ्क्रम में निर्धारित विषय
- कम्प्यूटर : स्वरूप और महत्व
- ई–मेल : प्रेषण–ग्रहण
- इंटरनेट : स्वरूप और उपयोगिता
- अनुवाद : परिभाषा और स्वरूप, भूमिका, महत्व/प्रकार
- मशीनी अनुवाद

4 वस्तुनिष्ठ प्रश्न–आधुनिक हिन्दी कविता, रीतिकाल, प्रयोजनमूलक हिन्दी : हिन्दी कम्प्यूटिंग एवं अनुवाद।

पाठ्यक्रम निर्देश और अंक विभाजन

1 सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से दस वास्तुनिष्ठ प्रश्न परीक्षा में पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक होंगे। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा इस प्रश्न में कोई विकल्प नहीं दिया जाएगा। परीक्षार्थी को दस–पंद्रह शब्दों में उत्तर लिखना होगा।

2 (क) पाठ्यक्रम में निर्धारित पुस्तक 'आधुनिक हिन्दी कविता' से व्याख्या के लिए चार पद्यांश दिए जांएगे परीक्षार्थियों को दो पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी प्रत्येक व्याख्या 5 अंक की होगी। पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा।

(ख) पाठ्यक्रम में निर्धारित कवियों में से दो कवियों का साहित्यिक–परिचय दिया जाएगा। परीक्षार्थियों को एक कवि का साहित्यिक परिचय लिखना होगा यह प्रश्न 5 अंक का होगा।

3. (क) निर्धारित पाठ्य पुस्तक से दो आलोचनात्मक प्रश्न दिए जाएंगे, परीक्षार्थियों को एक प्रश्न का उत्तर लिखना होगा इसके लिए निर्धारित अंक 7 होंगे।

(ख) परीक्षा में चार लघुत्तरी प्रश्न दिए जाएंगे परीक्षार्थियों को इनमें से दो के उत्तर लिखने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के 4 अंक होगें और पूरे प्रश्न के लिए 8 अंक होगें।

4. (क) रीतिकाल पर आधारित दो प्रश्न दिए जाएंगे, परीक्षार्थियों को इनमें से एक का उत्तर लिखना होगा जिसके लिए 7 अंक निर्धारित हैं।

(ख) रीतिकाल पर चार लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे, परीक्षार्थियों को दो के उत्तर लिखने होंगे प्रत्येक प्रश्न के लिए 4 अंक और पूरा प्रश्न 8 अंक का होगा।

5. (क) प्रयोजनमूलक हिन्दी कम्प्यूटिंग और अनुवाद खण्ड से दो प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को इनमें से एक लिखना होगा। जिसके लिए 7 अंक निर्धारित होंगे।

(ख) प्रयोजनमूलक हिन्दी कम्प्यूटिंग और अनुवाद के अन्तर्गत उपविषयों पर चार लघुत्तरी प्रश्न दिए जाएंगे, परीक्षार्थियों को दो प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा पूरा प्रश्न 8 अंक का होगा।

गुरूजम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी विश्वविद्यालय, हिसार

पाठ्यक्रम (हिन्दी अनिवार्य)

बी.ए. द्वितिय वर्ष चतुर्थ सेमेस्टर

पेपरः ए **HINC 202 : हिन्दी अनिवार्य**

(शैक्षणिक सत्र 2019–20 से लागू)

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा अंक : 80
आन्तरिक मूल्यांकन अंक : 20
समय : 3 घण्टे

– कथाक्रम : संपादक डॉ. रोहिणी अग्रवाल
– हिन्दी साहित्य का आधुनिक काल : गद्य
– पारिभाषिक शब्दावली
– वस्तुनिष्ठ प्रश्न

(क) पाठ्यक्रम में 'कथाक्रम' से निर्धारित रचनाएं (कहानियाँ)

1. ईदगाह : प्रेमचन्द
2. पुरस्कार : जयशंकर प्रसाद
3. गैंग्रीन : सच्चिदाननद हीरानन्द वात्स्यायन अज्ञेय
4. मलबे का मालिक : मोहन राकेश
5. ठेस : फणीश्वरनाथ रेणु
6. फैसला : मैत्रेयी पुष्पा
7. पच्चीस चौका डेढ सौ : औमप्रकाश वाल्मीकि

(ख) हिन्दी साहित्य का आधुनिक काल :
गद्य पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

- – आधुनिक काल की परिस्थितियाँ
- – हिन्दी उपन्यास उद्भव और विकास
- – हिन्दी कहानी उद्भव और विकास
- – हिन्दी नाटक उद्भव और विकास
- – हिन्दी निबंध उद्भव और विकास

(ग) पारिभाषिक शब्दावली के निर्धारित विषय

- पारिभाषिक शब्दावली का स्वरुप और महत्व
- पारिभाषिक शब्दावली के गुण
- पारिभाषिक शब्दावली के निर्माण में सक्रिय – विविध सम्प्रदाय : राष्ट्रीयतावादी, अन्तर्राष्ट्रीयतावादी, समन्वयवादी।

(घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्न : कथाक्रम, हिन्दी साहित्य का आधुनिक काल :
गद्य, पारिभाषिक शब्दावली सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से दिए जाएंगे।

पाठ्यक्रम निर्देश और अंक विभाजन

1. सम्पूर्ण निर्धारित पाठ्यक्रम से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए दो अंक निर्धारित होंगे, पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा। इस प्रश्न में कोई विकल्प नहीं होगा। परीक्षार्थियों को उत्तर 10–15 शब्दों में लिखना होगा।

2. (क) निर्धारित पाठ्यक्रम से चार गद्यांश दिए जाएंगे। परीक्षार्थियों को दो गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी, प्रत्येक व्याख्या के लिए 5 अंक होगें व पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा।

   (ख) कथाक्रम में दिए गए कहानीकारों का साहित्यिक परिचय पर दो प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थियों को एक प्रश्न का उत्तर लिखना होगा। इस प्रश्न के लिए 5 अंक निर्धारित होंगे।

3. (क) निर्धारित पाठ्यपुस्तक के आलोचनात्मक प्रश्नों पर आधारित दो प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थियों को एक प्रश्न का उत्तर लिखना होगा। इस प्रश्न के लिए 7 अंक निर्धारित होंगे।

   (ख) निर्धारित पाठ्य पुस्तक के आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थियों को इनमें से दो के उत्तर लिखने होंगे, प्रत्येक प्रश्न के लिए 4 अंक और पूरा प्रश्न 8 अंक का होगा।

4. (क) आधुनिक काल :

   गद्य पर आधारित पाठ्यक्रम में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थियों को इनमें से एक का उत्तर लिखना होगा, इसके लिए 7 अंक निर्धारित होंगे।

   (ख) आधुनिक काल :

   गद्य पर आधारित चार प्रश्न पूछे जांएगे। परीक्षार्थियों को दो प्रश्नों का उत्तर लिखना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा और पूरा प्रश्न 8 अंक का होगा।

5. (क) पारिभाषिक शब्दावली पर आधारित तीन प्रश्न परीक्षा में पूछे जाएंगे। परीक्षार्थियों को इनमें से एक का उत्तर देना होगा, इसके लिए 7 अंक निर्धारित होंगे।

   (ख) पारिभाषिक शब्दावली पर आधारित चार लघुत्तरी प्रश्न परीक्षा में पूछे जाएंगे। परीक्षार्थियों को इनमें से दो के उत्तर लिखने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 4 अंक होगें और पूरा प्रश्न 8 अंक का होगा।

गुरूजम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी विश्वविद्यालय, हिसार

पाठ्यक्रम (हिन्दी ऐच्छिक)

बी॰ए॰ द्वितिय वर्ष तृतीय सेमेस्टर

पेपरः ए **HINE 201 : हिन्दी ऐच्छिक**

(शैक्षणिक सत्र 2019–20 से लागू)

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा अंक : 80
आन्तरिक मूल्यांकन अंक : 20
समय : 3 घण्टे

- आधुनिक काव्य – मंजूषा
- कहानी एकादशी : स॰ दशरथ ओझा
- हिन्दी साहित्य का इतिहास रीतिकाल

पाठ्यक्रम आधुनिक काव्य – मंजूषा के रचनाकार

(1) मैथिलीशरण गुप्त (2) जयशंकर प्रसाद,
(3) सुमित्रानन्दन पंत (4) महादेवी वर्मा
(5) सूर्यकान्त त्रिपाठी, निराला (6) बालकृष्ण शर्मा नवीन
(7) रामधारी सिंह दिनकर

– निर्धारित कवियों के साहित्यिक परिचय उनके काव्य की संवेदनागत तथा शिल्पगत विशेषताओं से संबंधित प्रश्न पूछे जाएंगे। कहानी एकादशी निर्धारित पाठ्यपुस्तक से निम्नलिखित कहानियाँ पाठ्यक्रम में शामिल की गयी हैं।

- ईद का त्यौहार (ईदगाह)– प्रेमचन्द
- छोटा जादूगर – जय शंकर प्रसाद
- पढ़ाई – जैनेन्द्र कुमार
- आदमी का बच्चा – यशपाल
- दरोगा अमीचन्द – अज्ञेय
- दिल्ली में एक मौत – कमलेश्वर
- नई नौकरी – मनू भण्डारी

– पाठ्यक्रम में निर्धारित कहानीकारों के साहित्यक परिचय, निर्धारित कहानियों के प्रतिपाद्य तथा कहानी–कला पर ही प्रश्न पूछे जाएंगे।

– हिन्दी साहित्य का रीतिकालः निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न।

- रीतिकाल की परिस्थितियाँ
- रीतिकालीन हिन्दी कविता के प्ररेणा स्रोत
- रीतिकाल का नामकरण
- रीतिबद्ध काव्य की प्रवृत्तियाँ
- रीतिमुक्त काव्य की प्रवृत्तियाँ
- रीतिकवियों का आचार्यत्व
- रीतिकालीन हिन्दी की उपलब्धियाँ

पाठ्यक्रम निर्देश और अंक विभाजन

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से दस वस्तुनिष्ठ पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा। इस प्रश्न में कोई विकल्प नहीं होगा। परीक्षार्थियों को उत्तर 10–15 शब्दों में लिखना होगा।
2. (क) निर्धारित पाठ्यपुस्तक काव्य मंजूषा से चार पद्यांश व्याख्या के लिए दिए जाएंगे। परीक्षार्थियों को इनमें से दो पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या करनी है, प्रत्येक सप्रसंग व्याख्या 5 अंक की है और पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा।

   (ख) निर्धारित कवियों में से दो कवियों का साहित्यिक परिचय पूछा जाएगा। परीक्षार्थियों को एक का उत्तर लिखना होगा, जिसके लिए 5 अंक निर्धारित होंगे।
3. (क) कहानी पर आधारित पाठ्य पुस्तक कहानी 'एकादशी' से सप्रंसग व्याख्या के लिए चार गद्यांश दिए जाएंगे। परीक्षार्थियों को दो गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी, प्रत्येक व्याख्या के लिए 5 अंक होगें और पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा।

   (ख) निर्धारित पाठ्यक्रम में से कहानीकारों का साहित्यिक परिचय दिया जाएगा। जिनमें से परीक्षार्थियों को एक का उत्तर लिखना होगा। इसके लिए 5 अंक निर्धारित होंगे।
4. (क) पाठ्यपुस्तक काव्य–मंजूषा और कहानी एकादशी की रचनाओं से छः प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थियों को तीन प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 5 अंक और पूरा प्रश्न 15 अंक का होगा।
5. (क) हिन्दी साहित्य के रीतिकाल पर आधारित दो प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थियों को इनमें से एक का उत्तर लिखना होगा। इसके लिए 7 अंक निर्धारित होंगे।

   (ख) हिन्दी साहित्य के रीतिकाल से सम्बन्धित चार लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थियों को दो प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे, प्रत्येक प्रश्न के लिए 4 अंक और पूरा प्रश्न 8 अंक का होगा।

गुरूजम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी विश्वविद्यालय, हिसार

पाठ्यक्रम (हिन्दी ऐच्छिक)

बी.ए. द्वितिय वर्ष चतुर्थ सेमेस्टर

पेपरः ए **HINE 202 : हिन्दी ऐच्छिक**

(शैक्षणिक सत्र 2019–20 से लागू)

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा अंक : 80
आन्तरिक मूल्यांकन अंक : 20
समय : 3 घण्टे

– सुदामा चरित – नरोत्तम दास

– श्रेष्ठ निबन्ध (निबन्ध संग्रह) – सं डॉ. आलोक गुप्त

– हिन्दी साहित्य का आधुनिक काल : कविता

- सुदामाचरित का प्रतिपाद्य
- सुदामाचरित में चरित्र–चित्रण
- सुदामाचरित का युगीन संदर्भ

– ' श्रेष्ठ निबंध ' निबन्ध संग्रह में से निर्धारित निबंध

- दाँत – प्रताप नारायण मिश्र
- साहित्य की महत्ता – महावीर प्रसाद द्विवेदी
- क्रोध – रामचन्द्र शुक्ल
- आचरण की सभ्यता – सरदार पूर्ण सिंह
- गेहूँ बनाम गुलाब – रामवृक्ष बैनीपुरी
- साहित्य और जीवन – नन्ददुलारे वाजपेयी
- देवदारु – हजारी प्रसाद द्विवेदी

– हिन्दी साहित्य का आधुनिक काल : कविता (पद्य भाग)

- आधुनिक हिन्दी कविता का क्रमिक विकास
- आधुनिकालीन हिन्दी साहित्य का परिवेश
- भारतेन्दु युगीन हिन्दी कविता की प्रवृत्तियाँ
- द्विवेदी–युगीन हिन्दी कविता की प्रवृत्तियाँ
- छायावाद
- प्रगतिवाद
- प्रयोगवाद
- नयी कविता
- समकालीन कविता

पाठ्यक्रम निर्देश और अंक विभाजन

1. सम्पूर्ण निर्धारित पाठ्यक्रम से दस वस्तुनिष्ठ पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा। इस प्रश्न में कोई विकल्प नहीं होगा। परीक्षार्थियों को प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 10–15 शब्दों में देना होगा।
2. (क) सुदामा चरित से सप्रसंग व्याख्या के लिए चार पद्यांश दिए जाएंगे। परीक्षार्थियों ने दो पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी, प्रत्येक व्याख्या के लिए 5 अंक पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा।

   (ख) नरोत्तमदास का साहित्यिक परिचय और सुदामाचरित के काव्य रुप से सम्बन्धित दो प्रश्न पूछे जाएंगे। एक प्रश्न का उत्तर परीक्षार्थियों को लिखना होगा, जिसके लिए 5 अंक होंगे।
3. (क) श्रेष्ठ निबंध–निबंध संग्रह से व्याख्या के लिए चार गद्यांश दिए जाएंगे। परीक्षार्थियों को इनमें से दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी, प्रत्येक व्याख्या के लिए 5 अंक और पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा।

   (ख) श्रेष्ठ निबंध के निबन्धकारों में से दो का साहित्यिक परिचय पूछा जाएगा । परीक्षार्थियों को एक साहित्यिक परिचय लिखना होगा, इसके लिए 5 अंक निर्धारित होंगे।
4. सुदामाचरित और श्रेष्ठ निबन्ध पाठ्य–पुस्तकों से छः लघुत्तरी प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थियों ने तीन प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे, प्रत्येक प्रश्न के पांच अंक होगें और पूरा प्रश्न 15 अंक का होगा।
5. (क) हिन्दी साहित्य का आधुनिक काल कविता (पद्य भाग) पर आधारित दो प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थियों को एक का उत्तर लिखना होगा, जिसके लिए 7 अंक निर्धारित होंगे।

   (ख) आधुनिक काल कविता (पद्य भाग) पर आधारित चार लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थियों को दो के उत्तर लिखने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के 4 अंक होगें और पूरा प्रश्न 8 अंक का होगा।